Transcript of Radio Interview

9th March 2014, 4 p.m. to 6 p.m. (94.3 My FM – Indore Area)

RJ - Shailja

AG- Akshay Gupta

YP - Yograj Patel

RJ - 94.3 My FM पर आज मेरे साथ हैं दो ऐसे महान My Icons जिनका नाम है योगराज पटेल and अक्षय गुप्ता and they both are IIT passouts और इन्होने अपने placements से opt out करके कुछ अलग करने का सोचा, and they both are great and well established entrepreneurs today, welcome है आपका 94.3 My FM पर।

YP - मैं हूँ योगराज पटेल 94.3 my FM जियो दिल से।

AG - Hi I am Akshay Gupta, you are listening to 94.3 my FM जियो दिल से।

RJ - तो योगराज and अक्षय हम आपसे और बातें करेंगे थोड़ी देर में उससे पहले आने वाले गाने वही जो आपका दिल चाहता है on 94.3 my FM जियो दिल से।

RJ - आज मेरे साथ हैं योगराज पटेल and अक्षय गुप्ता, दोनों आज जो एक successful entrepreneurs हैं, and they are running a very nice school जिसका नाम है ज्ञानकृति स्कूल, and they both are founder directors of that school. तो योगराज and अक्षय सबसे पहले मुझे ये बताओ कि जब आप ये स्कूल बना रहे थे and this concept came to your mind तो ऐसी कौन सी चीज़ थी जो उस time आपने की थी और जो बहुत ही ज्यादा weird थी और जो सोचकर आज आपको बहुत हँसी आती है।

AG - basically हमने हमारा पहला preschool सुदामा नगर में start किया था and वहाँ we were searching for some good staff, employee और हमे बच्चों की care करने के लिए एक motherly बाई की requirement होती है।

RJ - OK maid.

AG - motherly maid की reqirement होती है, वो हमे नहीं मिल रही थी so एक दिन हम दोनों बैठे - बैठे हम दोनों office में हमारा काफी frustration हो गया and then we realized कि चलिए कुछ तो करना होगा, कुछ तो unique करना होगा out of the box और हम लोग सड़क पे उतरे और हम गली - गली घूम के बाई ढूँढ रहे थे।

RJ - OK then finally आपको एक बाई मिली कि नहीं ?

AG - well हमे बाई तो नहीं मिली but हमे कई सारे अच्छे लोग मिले।

RJ - (laughing) nice ढूंढने कुछ और गए थे और मिला कुछ और right?

AG - right

RJ - तो अभी मैं इनसे और बातें करुंगी आगे और पूछूंगी कि आपकी ऐसी कौन सी आदत है जो आप छोड़ना चाहते हैं but अभी तक छोड़ नहीं पा रहे हैं।

RJ - आज मेरे साथ हैं योगराज पटेल और अक्षय गुप्ता, the cofounder and director of gyankriti school . तो योगराज and अक्षय you know आप लोगों ने ऐसी बहुत सारी चीज़ें की होंगी जब आप IIT में होंगे and बहुत ज्यादा मस्ती की होगी but उस time और अभी when you become co-founder and director ऐसी बहुत सारी आदतें हैं जो आपको change करनी पड़ी होंगी but ऐसी कौन सी एक आदत हैं जो आप change करना चाहते हैं but नहीं कर पा रहे हैं।

AG - well मेरी एक आदत है जिससे मेरे सरे दोस्त हमेशा परेशां रहते हैं, मैं काफी senti हो जाता हूँ कई बार कुछ बातों को लेके, पर जब आप real life में आते हैं professional life में आते हैं आपको कई सारी चीज़ें practical लेनी पड़ती हैं।

RJ - right तो ……

AG - कोशिश कर रहा हूँ उस आदत को change की

RJ - OK , तो आप emotional अक्षय से practical अक्षय बनने की कोशिश कर रहे हैं right?

AG - बिलकुल आप ऐसा बोल सकते हैं मैं दिल से जीने की कोशिश कर रहा हूँ।
RJ - (laughing) thats so sweet . योगराज आप बताईये मुझे।
YP - मैंने ये observe किया है कि usually मैं बहुत introvert रहता हूँ , मैं लोगों के साथ घुल मिल नहीं पाता, तो उसकोलेके मैं काफी काम कर रहा हूँ, जैसे कि मेरे एक mentor ने कहा है कि आपको जिस चीज़ से डर लगता है आप उसे continuously बार-बार करिये, इसलिए कई बार मैं public speaking भी करता रहता हूँ ज्ञानकृति के माध्यम से मेरी काफी help हो रही है उससे।

RJ - so इसी तरीके से आप अपना जो introvert है आप ये चीज़ overcome कर पाएंगे right? OK तो थोड़ी देर में मैं इनसे पूछूंगी इनका जीयो दिल से moment .

RJ - आज मेरे साथ हैं योगराज पटेल और अक्षय गुप्ता जो आज बहुत successful entrepreneurs हैं। सबसे बढ़िया बात क्या है कि इन्होने अपनी IIT का placement छोड़कर ये आज एक successful entrepreneurs बने हैं, and they are running a very very successful preschool जिसका नाम है ज्ञानकृति स्कूल। तो योगराज and अक्षय मुझे ये बताओ कि आप लोग जब IIT में थे तो बहुत सरे लोग होते हैं उस time, they are very excited placements को लेके। भैया जब IIT छोड़कर बहार जायेंगे तो I am gonna be very successful engineer, OK? तो उस समय आप लोगों ने opt out किया placements के और आपने school start किया, तो इस बीच में आपका जियो दिल से moment कौन सा था?

AG - मेरा जियो दिल से moment था जब हम third year में थे, काफी pressure होता है job के लिए, काफी अच्छी अच्छी companies आती हैं, काफी सुनहरा भविष्य हमारे सामने होता है, parents आपके expect कर रहे होते हैं, आपके friends आपसे कुछ expect कर रहे होते हैं। तब जब i decided, you know, opt out of placements and ज्ञानकृति की शुरुआत करने का जो decision था वो काफी pressure में लिया गया था, but आज मुझे realize होता है कि वो मेरा जियो दिल से moment था क्योकि वो सबसे सही decision था।

RJ - I am sure जब आपने अपने parents को और अपनी family वालों को बताया होगा and जब उन्होंने accept किया होगा इस चीज़ को I think that must be your जियो दिल से moment कि सबने happily accept कर लिया।

AG - agree, 100% agree

RJ - योगराज आप मुझे बताईये आपका जियो दिल से moment कौन सा रहा है?

YP - actually मैं अक्षय से एक साल बाद graduate हुआ

RJ - OK

YP - तो तब तक ज्ञानकृति already शुरू हो चुका था। मेरे लिए जियो दिल से moment वो था जब मैं खुद placements में बैठने से पहले किसी और का interview ले रहा था। वो मेरे लिए जियो दिल से moment था।

RJ - wowww thats nice yaar. मतलब कि before getting placed, you were interviewing someone यार thats really nice . तो अभी और बातें करुँगी मैं इनसे आगे।

RJ - मेरे साथ हैं योगराज पटेल and अक्षय गुप्ता जो अब मुझे बताने वाले हैं कि उनकी जो music की choice है वो कैसी है? I am sure आप जब पूरे दिन busy रहते हैं you know school के काम में, बहुत कम time मिलता होगा गाने सुनने के लिए। but आपकी जो music की choice है वो कैसी है? आपको किस type के गाने पसंद हैं?

AG - मुझे soft गाने काफी पसंद हैं, जिसमे lyrics पे ज्यादा weightage हो बजाये music के।

RJ - OK and योगराज आपको?

YP - मुझे पुराने गाने काफी पसंद हैं।

RJ - like? and who is your favorite singer?

YP - लाता जी।

RJ - लता जी। OK nice . तो आप दोनों का एक common favorite song बताईये।

AG - पटाखा गुड्डी।

RJ - पटाखा गुड्डी। तो योगराज agreed?

YP - Ya sure .

RJ - तो आने वाला गाना पटाखा गुड्डी।

RJ - मेरे साथ हैं ज्ञानकृति स्कूल के founder and director योगराज पटेल and अक्षय गुप्ता। आप दोनों ने IIT की पढ़ाई की बहुत ज़यादा मेहनत की क्योकि बहुत सारे बच्चे उन लोगों का dream रहता है you know कि they join IIT and come out as successful engineers but आप लोगों ने IIT के दौरान opt out किया placements के और एक स्कूल बनाने का सपना देखा तो ये कैसे आयाापके दिमाग में?

YP - actually जब हम दोनों ही third year में थे IIT Bombay में तो हमे लगा कि कुछ तो शुरू करना है, हमे तब ये पता नहीं था कि किस sector में करना है तो धीरे-धीरे हमने realize किया कि may be एक education हम दोनों के लिए common interest था तो उसके बाद हम IIM अहमदाबाद में गए जहाँ पे हमने एक research project किया और हमने पाया कि आजकल जो स्कूलो में शिक्षा दी जा रही है उसमे बहुत सारी कमियां हैं तो हमारे दिमाग में आया कि क्यों न एक स्कूल ही शुरू किया जाये। पर तब हमे लगा कि अगर हम 1st standard से भी स्कूल start करते हैं, बड़ा स्कूल, उसमे जो हमारे लिए थोडा मुश्किल भी था क्योकि हम दोनों ही नए थे इस field में so we decided to start with pre-primary मतलब एकदम ही छोटे बच्चे almost 1.5 years से 6 years तक के बच्चे उनको cater करने के लिये हमने ज्ञानकृति की शुरुआत की।

RJ - and how did this name came to your mind? Gyankriti?

YP - एक जैसे आप हमारा motto देखेंगे जो है where logic meets creativity तो ज्ञानकृति आपको नाम है वो ज्ञान और कृति का समागम है it is like the confluence of logic and creativity.

RJ - nice yaar मतलब I just hope कि आज जितने भी लोग हैं ऐसा कुछ सोचे आपके जैसे and they come up with new concepts everyday. थोड़ी देर में ये मुझे बताएँगे कि जहाँ पर आज parents अपने बच्चों को सोचते हैं एक बड़े से स्कूल में भेजने का ou know कि primary से वो उधर ही जाएँ स्कूल में पढ़ें, आपने preschool का concept कैसे सोचा?

RJ - मेरे साथ हैं योगराज पटेल and अक्षय गुप्ता, the co-founder and director of gyankriti school, तो मुझे बताईये कि you know आज कल के parents ये सोचते हैं कि हम अपने बच्चे को एक ऐसे स्कूल में डाल दे जो nursery से लेके 12th तक हो कि बच्चा एक बार nursery में जाए तो उसी स्कूल में पढ़े 12th class तक, तो ये preschool का जो idea है वो कैसे आया आप लोगों के दिमाग में?

AG - शैलजा, जब हम लोग work कर रहे थे हमारे स्कूल के model पे तो कहीं ना कहीं हमने ये realize किया कि India में बहुत अच्छा infrastructure है nursery से 12th तक के स्कूल के लिए RJ - OK

AG - पर कहीं न कहीं preschool का infrastructure lack कर रहा था। हमने जब research की तो ये पाया कि Scottland जैसे देशों में 100% बच्चे preschool जा रहे हैं, हमारी government भी support करती है higher education को but कहीं न

कहीं preschool lack कर रहा था और इसलिए हमने decide किया कि क्यों न हम ऐसा infrastructure खड़ा करें जिसमे preschool को भी हम आगे लेकर आ सके। और इसलिए हमने preschool start किया और हम एक 'preschool चले हम' campaign भी चला रहे हैं जिसमे हम ज़यादा से ज़यादा बच्चों को चाहते हैं कि वे preschool जाएँ।

YP - इसके अलावा आपने notice किया होगा कि जो भी बड़े स्कूल्स होते हैं उनके 1.5 साल से लेकर 18 साल तक के बच्चों के लिए एक तरह की table कुर्सियां, एक तरह की सीढ़ियां होती हैं, जबकि किसी भी preschool में यदि आप जायेंगे तो वहाँ का infarstructure छोटे बच्चों के according बनाया जाता है specifically उनके लिए, aur ये usually घर के पास भी होता है तो बच्चों का torture नहीं होता बसों में।

RJ - OK तो ये जो है the school you have come up with the gyankriti school तो इसमें कुछ conveyance की facility वो सब भी रखी है आपने?
AG - जी हाँ बिलकुल हम provide करते हैं और हम कोशिश करते हैं कि हमारा preschool parents के आस पास हो इसलिए हमारे सारे preschools residential area में ही हैं और इसलिए हमने इंदौर में अलग अलग locations पर पांच preschools open किये हैं, ताकि parents को कोई न कोई ज्ञानकृति उनके घर के बिलकुल पास मिल सके।

RJ - OK तो ये कौन सी पांच locations हैं?

YP - अन्नपूर्णा रोड, संपना संगीता, साकेत नगर, विजय नगर and तुलसी नगर। like if you notice तो AB road पर हर तीन किलोमीटर पर एक ज्ञानकृति है।

RJ - woww मतलब की अगर आज आपको अपने बच्चे को preschool में डालना है तो I think nothing better than gyankriti, right?

AG - right.

RJ - तो इसी बात पर हम और बात करेंगे योगराज और अक्षय से .

RJ - आज जहाँ मेरे साथ हैं योगराज पटेल and अक्षय गुप्ता आज मैंने आप लोगों के साथ बहुत साड़ी बातें की और मुझे बहुत मज़ा आया तो जाते-जाते My FM के listeners को क्या message देना चाहेंगे?

AG - सबसे पहले तो मैं My FM के listeners को कहूंगा कि जो My FM का tag line है जियो दिल से, उसको हमेशा follow करते रहें, हमेशा positive सोचते रहें, और दूसरा क्योकि admission season काफी पास में आ गया है तो सारे parents से मैं request करूँगा कि वो सब अपने अपने बच्चों को लेकर schools में जाएँ, वहाँ का infrastructure देखें। साथ में वहाँ की पढ़ाई के अलावा देखिये कि इनके बच्चों की कैसे care हो रही है, वहाँ पर safety, security के क्या precautions हैं, और उसी के हिसाब से अपना decision लें और एक बार ज्ञानकृति ज़रूर आयें।

YP - thank you Shailja

RJ - thank you so much Yograj and Akshay आज हमारे साथ बने रहने के लिए।